Research Paper | Education | E-ISSN No : 2454-9916 | Volume : 9 | Issue : 5 | May 2023



पर्यटन की नवीन संभावनाओं को उजागर करता ग्रामीण पर्यटन

डॉ. दीपा देवांगन[1], प्रो. श्री पवन कुमार ताम्रकार[2], डॉ. यूगेश्वरी साहू[3]

[1] सहायक प्राध्यापक-वाणिज्य, शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी

[2] सहायक प्राध्यापक-वाणिज्य, संत गुरू घासीदास स्नाकोत्तर महाविद्यालय कुरूद

[3] सहायक प्राध्यापक-वाणिज्य, शासकीय कमलादेवी राठी महिला पी.जी. कॉलेज राजनांदगांव

ABSTRACT

भारत के पर्यटन मंत्रालय के साथ छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग ने ग्रामीण पर्यटन स्थलों के विकास पर विशेष बल दिया जो हमारे समृद्धकला, संस्कृति, हथकरघा, विरासत और शिल्प जैसे क्षेत्रों की दृष्टि से गौरवशाली होगा हमारे ग्रामीण परिसर प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक वैभव दोनो ही दृष्टियों से समृद्धशाली है, ग्रामीण बदलाव, ग्रामीण पर्यावरण और हमारी संस्कृति के संरक्षण, स्थानीय लोगों की भागीदारी की दृष्टि से ग्रामीण क्षेत्रों के लाभ में लगातार वृद्धि व रोजगारगत विश्वासों और आधुनिक परिवर्तनों के बीच उपयुक्त अनुकुलता ग्रामीण पर्यटन को नई दिशा प्रदान करता हुआ दृष्टिगत हो रहा है।

KEYWORDS: ग्रामीण विकास, रोजगार, ग्रामीण पर्यटन, संस्कृति, आर्थिक व सामाजिक विकास।

प्रस्तावना

छत्तीसगढ़ में ग्रामीण समाज की महत्वपूर्ण भागीदारी एवं सत्ता में उसकी भागीदारी के कारण इसकी रचना, संगठन कार्य एवं विकास का क्रमबद्ध अध्ययन न केवल आवश्यकता अपितु अविलंब महत्व को भी उजागर करता है छत्तीसगढ़ ग्रामीण क्षेत्र के सजग, व्यापक तथा विधिवत अध्ययन के महत्व को भलीं भांति समझते हुए ग्रामीणों के लिए अपार संभावनाएं है इन क्षेत्रों की पहचान करना और इस क्षेत्र में पर्यटको की समानताएं वितरण के लिए छत्तीसगढ़ सरकार के अखण्ड प्रयास के साथ - साथ ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है यह कार्य ग्रामीण पर्यटन को नई दिशा प्रदान कर रहा है। आज के शहरीकृत होते समाज ग्रामीण पर्यटन को शहरी आबादी के बीच निरंतर लोकप्रियता की नई ऊंचाईयों का छु रहा है।

सरकार की पहल और निजी उद्यमिता के परिणाम स्वरूप ग्रामीण पर्यटन अब धीरे-धीरे लोकप्रिय होने लगा है। शहरों की भीड़ भाड़ भरी जिंदगी से कुछ दिनो के लिए निजात और एकांत की तलाश लोगों को गांवो की ओर आकर्षित कर रही है। समृद्ध, सांस्कृतिक एवं पर्यटन की अपार संभावनाएं है छत्तीसगढ़ में ग्रामीण पर्यटन की अपार संभावनाएं है, छत्तीसगढ़ की दो तिहाई से अधिक आबादी गांवो में निवास करती है। ग्रामीण स्थलों पर धरोहर को प्रदर्शित करती है जिससे स्थानीय समुदाय को आर्थिक व सामाजिक लाभ प्राप्त होता है जो सुखद पर्यटन अनुभव के लिए पर्यटकों और स्थानीय लोगों के बीच विचार विनिमय में मदद करता हुआ ग्रामीण पर्यटन अपना प्रमुख स्थान बना रहा है।

साहित्य पुनरावलोकन

1. **डिजिटल डेस्क, कोलंबो (2021)** श्री लंका सरकार एकीकृत पांच वर्षीय वैश्विक संचार अभियान के अनुरूप 2022 को विजिट श्री लंका ईयर के रूप में घोषित करने के लिए पूरी तरह तैयार है, अभियान में सरकार का लक्ष्य 60 लाख पर्यटकों को आकर्षित करना है, कोविड 19 महामारी की चुनौतियों के बावजूद 2025 तक अरबों की कमाई करने का लक्ष्य है।
2. **मारीयस मेयर व लुईसा वोगट (2016)** ने पर्यटन के आर्थिक प्रासंगिकता का विभिन्न सैद्धांतिक निर्माण व पद्धतियों से अध्ययन करते हुए निष्कर्ष दिया कि पर्यटकों का व्यय व्यवहार व उसकी लागते अर्थव्यवस्था के विभिन्न आर्थिक पक्षों पर प्रभाव डालती है अक्सर अनदेखी किये गये प्रभाव भौगोलिक पैमाने व पर्यटन की लागत पक्ष भी बनते है।
3. **एलब्रेटा ऐफ लीमा (2014)** ने यू.के. के पर्यटन का रोजगार लिंग व आय के संदर्भ में पडने वाले प्रभावों का आर्थिक व निजी क्षेत्र के पर्यटन व्यावसायियों की निजी साक्ष्य व अनुभवों से अध्ययन करते हुए निष्कर्ष दिया कि पर्यटन से आर्थिक विकास रोजगार व प्रतिव्यक्ति आय प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होती है तथा पर्यटन से रोजगार लिंग भेदिये दृष्टिकोण भी मिलते है।
4. **विश्व पर्यटन संगठन और अन्तराष्ट्रीय होटल एवं रेस्टरा संस्था WTO (2008)** ने पर्यटन कि वैश्विक महत्व पर संयुक्त रूप से अध्ययन कर रोजगार सृजन एवं आय, स्थाई विकास तथा बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के रूप में पर्यटन के महत्व को स्पष्ट करते हुए बताया कि वैश्विक पर्यटन रोजगार व आय वृद्धि का एक महत्वपूर्ण व उभरता हुआ क्षेत्र है। बुनियादी सुविधाओ के आधार पर पर्यटन की उद्योग के विकास की प्रबल सम्भावनाएं है।
5. **लाल, जे.बी. (1990)** भारत के वन स्कंधों का आर्थिक मूल्यांकन विषय पर कार्य करते समय आभासी मुल्यों के उपयोग से मनोरंजन का आर्थिक मूल्य ज्ञात करने का प्रयास किया है।

भारतीय साहित्य का पुनरालोकन - यहां यह बताया जाता है कि भारतीय साहित्य में अपने विषय से सम्बन्धित किसी प्रकार का विवरण दिया गया है। ओर अपने विषय से अलग भी कितना कार्य किया जा चुका है। जैसे-

6. **नवभारत टाइम्स डॉट कॉम फरवरी (2021)** लोकसभा में कल्याण बनर्जी के प्रश्न के लिखित उत्तर में पर्यटन मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा भारत में कोरोना वायरस महामारी पर्यटन उद्योग से जुड़े परिवारों की आर्थिक क्षति एवं बहाली से सम्बन्धी नीतियां अध्ययन का मकसद पर्यटन क्षेत्र पर कोरोना वायरस महामारी के प्रभाव के कारण क्षेत्रवार नुकसान तथा अर्थव्यवस्था में आय के समग्र नुकसान व रोजगार संबंधी क्षति की मात्रा निर्धारित करने का आकलन करना है।
7. **पर्यटन मंत्रालय (2019)** कि वर्षान्त समीक्षा के अन्तर्गत पर्यटन मंत्रालय ने सर्वसाधारण किया कि पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार पर्यटन के विकास और प्रोत्साहन हेतु नीतियां व कार्यक्रम बनाने हेतु प्रतिबद्ध है। मंत्रालय मानता है कि पर्यटन के क्षेत्र में अर्थव्यवस्था को गति देने, विदेशी मुद्रा आय बढ़ाने और विभिन्न स्तरों पर बढ़ी संख्या में रोजगार प्रदान करने की विपुल क्षमता है।
8. **सिन्हा, सुप्रिया (2017)** ने राजस्थान के सांस्कृतिक पर्यटन का शेखावटी के मण्डावा कस्बे के परिपेक्ष्य में नीतिगत व्यूहरचना का अध्ययन करते हुए निष्कर्ष स्थापित किया कि मण्डावा कस्बे की खूबसूरत हवेलियां व मन्दिर उच्च कोटि के हेरिटेज पर्यटन की प्रतिनिधि है।
9. **राठौर, जोशी, इलावरसन (2017)** ने अपने शोध आलेख सोशल मीडिया का राजस्थान पर्यटन उद्योग में उपयोगः एक अध्ययन में स्पष्ट किया कि पर्यटन उद्योग में स्टेक होल्डर्स को अपनी सुचना विश्वनीयता विकसित करने के लिए सोशल मीडिया पर्यटन डोमेन को विकसित करने का प्रयास करना चाहिए।

ग्रामीण पर्यटन की अवधारणा -

भारत सरकार ने ग्रामीण पर्यटन की परिभाषा को स्पष्ट करते हुए कहा है कि कोई भी ऐसा पर्यटक जो ग्रामीण स्थानों की विरासत को देखते है जिससे स्थानीय समुदाय को आर्थिक के साथ सामाजिक लाभ पहंुचता हो साथ ही नजर और स्थानीय लोग के बीच बातचीत से पर्यटन के अनुभव के अधिक समृद्ध होने की संभावना हो उसे उसे ग्रामीण पर्यटन की अवधारणा से जोड़ा जा रहा है, ग्रामीण पर्यटन अनिवार्यतः एक ऐसी स्थिति को उजागर करता है जो देश के ग्रामीण क्षेत्रों में संभावनाएं पैदा करती है यह बहुआयामी है, जिसमें कृषि/खेत पर्यटन अपने में कुछ विशेषताएं शामिल किए हुए होता है जैसे यह अनुभव उन्मुखी होता है इससे पर्यटन स्थलों पर आबादी का धीरे - धीरे विस्तृतीकरण होता है इसमें प्राकृतिक पर्यावरण को बहुत अधिक महत्व दिया जाता है इसमें त्यौहारों व स्थानीय उत्सवों की प्रमुखता होती है इसमें संस्कृति का बहुत अधिक प्रभाव होता है।

शोध का उद्देश्य -

1. ग्रामीण पर्यटन की स्थिति का अध्ययन।
2. ग्रामीण पर्यटन का रोजगार पर प्रभाव का अध्ययन।
3. ग्रामीण पर्यटन स्थानीय, सांस्कृतिक और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और संवर्धन में लाभदायिकता का अध्ययन।
4. पर्यटन और आतिथ्य में स्थानीय युवाओं के कौशल में वृद्धि की स्थिति का अध्ययन।

शोध परिकल्पना -

1. ग्रामीण पर्यटन से ग्रामीण विकास संभव हो सकता है।
2. ग्रामीण पर्यटन से रोजगार पर प्रभाव सकारात्मक हो सकता है।
3. ग्रामीण पर्यटन हमारी सभ्यता, संस्कृति, विरासत के संरक्षण की दिशा में नया पहल कहा जा सकता है।
4. ग्रामीण पर्यटन स्थानीय अर्थव्यवस्था में पर्यटन के योगदान को बढ़ा सकता है।
5. ग्रामीण पर्यटन की बुनियादी अवसंरचना को बढ़ाने में मददगार साबित हो सकता है।

ग्रामीण पर्यटन के प्रमुख प्रकार -

1. **कृषि पर्यटन -** कृषि संबंधी उद्योग और फसलें बढ़ाने के लिए किसान कैसे काम करते है के बारें में अधिक जानकारी प्राप्त करना है।
2. **संस्कृति पर्यटन -** पर्यटन संबंधो को स्थानीय संस्कृति विषयक गतिविधियों जैसे अनुष्ठानों और उत्सवों में हिस्सा लेने का अवसर प्रदान करता है।
3. **प्रकृति पर्यटन -** ऐसे प्राकृतिक स्थानों की जिम्मेदारी के साथ यात्रा करना जो पर्यावरण का संरक्षण करते है और स्थानीय लोगों के कल्याण में सुधार लाने का प्रयास करते है।
4. **साहसिक पर्यटन -** कोई भी ऐसी प्रतिबद्ध उपलब्धि साहसिक पर्यटकों के शामिल है जो किसी व्यक्ति की क्षमता और अंतिम सीमा तक उसकी तैयारी का परीक्षण करने का अवसर प्रदान करता है।
5. **भोजन पर्यटन -** किसी सम्मोहक को हमारे विविधता का गौरव प्राप्त करने का अवसर मिलता है। इस तरह के पर्यटन और विभिन्न स्थानों के प्रमुख भोजन की जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलती है।
6. **सामुदायिक पर्यटन -** यह ऐसा पर्यटन है जिसका किसी उद्देश्य से उपयोग किया जाता है। यह वास्तव में ऐसे प्राकृतिक पर्यावरण संरक्षण करते है और स्थानीय लोगों की लाभबंदी में सुधार लाते है।
7. **नृजातीय पर्यटन -** इसका उद्देश्य विभिन्न दृश्यों के क्षितिजों का विस्तार करना है। इसका अनिवार्य लक्ष्य विभिन्न जातीय और सांस्कृतिक जीवनशैलियां और विश्वासों के बारे मेंजा नकारी प्राप्त करना है।

ग्रामीण पर्यटन में सम्भावनाएं -

1. धार्मिक विविधता के कारण विभिन्न धर्मो से संबंधित अनेको तीर्थ स्थल, धार्मिक स्थल विद्यमान है।
2. नस्लीय, जातियां, भाषायी, कला, संस्कृति के विभिन्न प्रकार, विशिष्ट पर्यटन के साथ ज्ञान के स्त्रोत के रूप में विकसित हो रहे है।
3. परंपरा, नृत्य, शिल्प, खान-पान, परिधान आकर्षण के केन्द्र बने हुए है।
4. शहरो के तनावपूर्ण जीवन की तुलना में शांत व सौम्य ग्रामीण जीवनशैली आकर्षण का केन्द्र है।
5. ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों का पर्यटन के प्रति भावनात्मक प्रेम, व्यवहार भी पर्यटन को विकसित करने में मदद करते है।
6. ग्रामीण खेल सांस्कृतिक कार्यक्रम, चाय बागान, ध्यान व योग केन्द्र, जैविक खेती, पशुओं का आवास, पशुपालन की खूबियां भी ग्रामीण पर्यटन को बढ़ाने में कारगर है जो पर्यटकों को खूब भांते है।
7. पर्यटन मंत्रालय द्वारा वर्ष 2014-15 में "प्रसाद योजना" प्रारंभ की गई जो मुख्यतः तीर्थस्थल कायाकल्प और आध्यात्मिक संवर्धन अभियान है ग्रामीण क्षेत्रों में अवस्थित तीर्थ-स्थलों एवं धार्मिक जगहों का पुर्नसंद्वार कर इसे पर्यटन योग्य बनाना, इस योजना का उद्देश्य है। इस योजना के अंतर्गत पर्यटन स्थलों से संबंधित क्षेत्रों में अवसंरचनात्मक विकास पर मुख्यतः ध्यान दिया जाता है।
8. "श्यामा प्रसाद मुखर्जी रर्बन मिशन" ग्रामीण क्षेत्रों में एकीकृत बुनियादी अवसंरचना के विकास के लिए प्रतिबद्ध है, जो ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अवसंरचनात्मक परियोजनाएं चलाई जा रही है जिसमें टूरिज्म लॉज, पर्यटन स्थलों का सौंदर्यीकरण व अन्य सुविधाओं का विकास भी शामिल है।"
9. "आत्मनिर्भर भारत योजना 2020" के अंतर्गत स्थानीय उत्पादों की ब्राडिंग की बात की गई है ग्रामीण क्षेत्रों का विकास भारतीय विकास के लिए काफी अहम है चुकि ग्रामीण पर्यटन नए रोजगार का सृजन निश्चित व स्थायी आय का स्त्रोत, युवाओं महिलाओं का सशक्तिकरण आदि में सक्षम है ऐसे में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देकर "आत्मनिर्भर भारत" साथ आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ के सुखद स्वप्न को पूरा किया जा सकता है।
10. भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के जून में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय रणनीति का मसौदा भी तैयार किया गया जो निम्न बिंदुओं पर केंद्रित है -
    1. आदर्श नीतियो व सर्वोत्तम क्रियान्वयन।
    2. डिजीटल प्रौद्योगिकियों का व्यापक इस्तेमाल ग्रामीण पर्यटन समूहो का विकास।
    3. पर्यटन से फायदेमंद समूह का क्षमता निर्माण वित्तीय सपोषण व शासन संस्थागत ढांचा का विकास।
11. हमारे देश की 70 प्रतिशत आबादी 6.64 लाख गांवो में निवास करती है विविधता को प्रदर्शित करने वाली एक कहावत "कोस कोस पर पानी बदले 4 कोस पर वाणी" भारतीय संस्कृति की मजबूती को बया करती है जो ग्रामीण पर्यटन को विकसित कर रहा है।
12. हाल के वर्षों में कृषि क्षेत्र का GDP में हिस्सेदारी लगातार कम होते जा रही है ऐसे में ग्रामीण व कृषि पर्यटन न केवल कृषकों व खेती जात के लिए फायदेमंद होगा बल्कि पूरे भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास के साथ-साथ छत्तीसगढ़ राज्य के विकास में भी काफी हितकर होगा।
13. वास्तव में ग्रामीण पर्यटन अवसरों की एक श्रृंखला के रूप में कार्य करती है जिसमें रोजगार का सृजन, स्थायी आजीविका के स्त्रोत तथा व्यापार के नए आयाम शामिल है। इसके अलावा ग्रामीण पर्यटन वास्तव में स्वास्थ्य, पोषणीय, ध्यान योग, शांति मनोरंजन, ज्ञान, कृषि, पारिस्थितिकी, साहसिक पर्यटन का समग्र रूप है जिसका विकास पूरे भारत के विकास के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की विकास होगा।
14. वास्तव में भारतीय संस्कृति, ग्रामीण संस्कृति की वजह से ही विश्व भर में विशेष महत्व रखती है ऐसे में ग्रामीण पर्यटन ना केवल आर्थिक मोर्चे पर देश का कल्याण करेगी बल्कि सांस्कृतिक मूल्यों को बेहतर बनाने की दिशा में भी अग्रणी भूमिका निभाएगी।
15. शैक्षणिक स्तर पर पर्यटन ज्ञान वर्धक हो सकता है वस्तुतः शिक्षण संस्थानों द्वारा बच्चों को ऐतिहासिक, प्राकृतिक स्थलों का भ्रमण, ज्ञानवर्धन के उद्देश्य से भी कराया जाता है।
16. "ग्राम रूट्स" नामक संस्था द्वारा ग्रामीणों को गाइड, रसोईया, अच्छा मेजबान बनने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

नकारात्मक प्रभाव -

1. ग्रामीण पर्यटन पर कुछ नकारात्मक प्रभाव भी देखे जा सकते है पर्यटन क्षेत्र के विकास से ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत ढांचे के विकास में वृद्धि होगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में कम होने की सम्भावना बनती है इसके अलावा प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधून विदोहन बर्बादी को बढ़ा सकता है।
2. पर्यटन पर कोविड का असर संयुक्त राष्ट्र पर्यटन संगठन के अनुसार कोविड के काल में वैश्विक स्तर पर सैलानियों की संख्या में 70 प्रतिशत की कमी आई इसी दौरान भारत में 66 प्रतिशत की कमी दर्ज की गयी थी।
3. वर्ष 2020 में वैश्विक क्षेत्र में पर्यटन स्थल में 3435 अरब USD का नुकसान हुआ।
4. कोविड के दौरान एशियायी पर्यटन सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ।
5. भारत को पर्यटन क्षेत्र में इस दौरान 16.7 अरब USD का नुकसान हुआ है।
6. विदेशी पर्यटक जो भारत आना चाहते है ई-वीजा सुविधा शुरू करने के बावजुद अभी भी भारत में आने वाले अधिकांश पर्यटक और आगंतुक वीजा के लिये आवेदन करने की प्रक्रिया को काफी बोझिल और जटिल मानते है। ये हमारे ग्रामीण पर्यटन में समस्या बनी हुई है इसी के कारण विदेशी पर्यटक को समस्या का सामना करना पड़ता है जो कोरोनाकाल के समय और बहुत अधिक बड़ गई थी।
7. प्रायः बुनियादी ढांचे की कमी और अपर्याप्त कनेक्टिविटी के कारण कई बार पर्यटकों को कुछ विरासत पर जाने के लिए कई कठिनाईयों का सामना करना पड़ता इसके कारण ऐसे कई पर्यटन स्थल है जो अभी आम जनता के पहुंच तक दुर्लभ है।
8. यद्यपि बीते कुछ वर्षो में भारत के पर्यटन क्षेत्र के प्रचार में काफी वृद्धि देखी गई है किंतु अभी भी ऑनलाइन मंचो पर भारत के पर्यटक स्थलों को लेकर प्रचार और जागरूकता की कमी स्पष्ट दिखाई देती है।
9. पर्यटक सूचना केंन्द्रो को सही ढंग से प्रबंधित नही किया जाता है जिससे घरेलू और विदेशी पर्यटकों के लिए आवश्यक जानकारी प्राप्त करना काफी मुश्किल कई बार दुर हो जाता है।
10. पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र के लिये पर्याप्त रूप् से प्रशिक्षित व्यक्तियों की कम संख्या भारत के पर्यटन उद्योग के लिये एक बड़ी चुनौती है जिसके कारण भारत आने वाले पर्यटकों को विश्व स्तरीय अनुभव प्रदान करना मुश्किल हो जाता है।
11. ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विदेशी पर्यटकों का बहुत बड़ा योगदान है भारत में आने वाले विदेशी पर्यटकों को प्रायः लूट और चोरी आदि का सामना करना पड़ता है जिसके कारण उनके मन में भारत और देश की कानून व्यवस्था को लेकर एक नकारात्मक छवि उपजते जा रहा है।

सुझाव -

1. रोजगार के नए अवसर को सृजित करना चाहिए।
2. संस्कृति व त्योहारों की ब्राडिंग करना चाहिए।
3. कृषि मतस्य पालन संबधी पर्यटन को बढ़ावा।
4. प्रकृति व पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा।
5. स्थानीय उत्पादों का मानकीकरण कर व्यापार योग्य बनाना।
6. कुछ विशेष अंतराष्ट्रीय व राष्ट्रीय भाषाओं की जानकारी को स्थानीय लोगों के लिए उपलब्ध कराना।
7. ग्रामीण संस्कृति व सभ्यता का सतत् दोहन।
8. भारत सहित छत्तीसगढ़ को आरोग्य पर्यटन, कृषि पर्यटन साहसिक पर्यटन के अलावा ग्रामीण व इको टूरिज्म के विकास के लिए विज्ञापन ब्रांडिग के साथ ही अवसंरचनात्मक विकास प्रौद्योगिकी का व्यापक प्रयोग पर बल देकर पर्यटन क्षमता का संपूर्ण दोहन करना होगा।
9. इंटरनेट, क्लाउड कंप्यूटिंग, सोशल मीडिया व अन्य डिजिटल प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर भौगोलिक अथवा वित्तीय व अन्य समस्याओं का समाधान कर पर्यटन को बढ़ावा देने संबंधी प्रयास लगातार जारी रखना होगा।
10. उच्च कौशल प्राप्त व अर्द्धकुशल दोनों तरह के रोजगार सृजन क्षमता को प्रोत्साहित करना

होगा।

11. ग्रामीण पर्यटन, स्थानीय समुदाय का शैक्षणिक, आर्थिक व सामाजिक, बौद्धिक विकास में मदद करेगा।
12. देश की विभिन्न हिस्सों में पर्यटन विकास की संभावना वाले क्षेत्रों का चयन विकास ब्रांडिंग जैसे आवश्यक कदम उठाए जाने की जरूरत है वर्तमान समय के हिसाब से सूचना प्रौद्योगिकी व अन्य नवीन तकनीकों का व्यापक इस्तेमाल इस क्षेत्र का सर्वागणि विकास कर सकता है।
13. शारीरिक दूरी को ध्यान, यात्रा व प्रवेश व पाबंदियों निजी सुरक्षा उपकरण का उपयोग समग्र चिकित्सा व्यवस्था का सुधार, डिजिटल प्रौद्योगिकी के प्रयोग पर बल देकर पर्यटन का पुरद्धार संभव है।
14. स्वदेशी व विदेशी दोनों तरह के पर्यटन पर जोर देना होगा।
15. नीति आयोग के नेतृत्व में सूचना प्रौद्योगिकी का पर्यटन क्षेत्र में व्यापक प्रयोग पर बल देना होगा।
16. "अतुल्य भारत व गुगल" की भागीदारी से वेबसाइट पर ज्यादा संवादात्मक सामग्री का विकास होगा।
17. महामारी के बाद ITC व ताज जैसे लाजरी होटलों में मानवरहित संपर्क, चाबीरहित कमरे राबोट सेवा, डिजीटल मेन्यु कार्ड को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।
18. हितधारको को सहूलियत प्रदान करने के लिए ट्रेवल एजेंट, टूर आपरेटर, पर्यटक परिवहन संचालको की मान्याताओं में भी वृद्धि करना चाहिए।

निष्कर्ष -

ग्रामीण पर्यटन का विकास न केवल देश की अर्थव्यस्था में सकरात्मक योगदान देगा बल्कि स्थानीय क्षेत्रों की गरीबी कम करेगा रोजगार बढ़ाएगा महिला सशक्तीकरण करेगा विदेशी अथवा अन्य संस्कृतियों से ग्रामीण लोगों की परिचय कराएगा साथ ही पर्यटन क्षेत्र को स्थायित्व प्रदान करेगा क्योकि अन्य क्षेत्रो की तुलना में ग्रामीण परिवेश में बदलाव अतिन्यून गति से होता है।

मैक्समूलर ने भारत के बारे में कहा था "हमें अगर प्राकृतिक संपदा, भक्ति, सौंदर्य, आध्यात्म से सबसे ज्यादा परिपूर्ण जगह की तलाश अगर पृथ्वी पर करनी हो तो सिर्फ भारत ही इसे पूरा कर सकता है" पूरी संभावनाए भारत के साथ ही साथ हमारे छत्तीसगढ़ में भी विद्यमान है जो ग्रामीण पर्यटन को और बहुत ज्यादा आकर्षित कर रहा है।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि ग्रामीण पर्यटन गांवों में सम्पन्नता व कुशलता को बढाने के साथ ही हमारे पी.एम. के "आत्मनिर्भर भारत" के स्वप्नों को पूरा करने में सक्षम है हालांकि ऐसा स्वप्न पूरा करने के लिए ग्रामीण पर्यटन से संबंधित सभी बाधाओं को दूर कर हम ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ हमारे आर्थिक, सामाजिक विकास को भी नई गति व दिशा मिलेगी जो हमारे आत्मनिर्भर बनने में महत्वपूर्ण कदम होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. झा लक्ष्मीधर एवं मिश्र रमेन्द्रनाथ (1998) छत्तीसगढ़ का राजनैतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास, सेन्ट्रल बुक हाउस रायपुर।
2. सिंह निशांत (2003) संदर्भ छत्तीसगढ़ में पर्यटन अनमोल प्रकाशन, दिल्ली।
3. शर्मा डॉ. टी.डी. (2005) छत्तीसगढ़ पर्यटन स्थल प्रकाशन देववत तिवारी प्रताप टाकीज चौक बिलासपुर (छ.ग.)
4. ब्यास राजेश कुमार (2008) भारत में पर्यटन विधा तिहार, नई दिल्ली ।
5. शुक्ल डॉ. प्रदीप, पाण्डेय डॉ.सीमा (2006) छत्तीसगढ़ में पर्यटन-वैभव प्रकाशन अमीनपारा बस्ती रायपुर (छ.ग.)
6. कुरूक्षेत्र पत्रिका ।
7. उद्यमिता पत्रिका ।
8. www.tourism.gov.in
9. Travel and tourison – monthly